

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-10-2025

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-10-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-10-11	2025-10-12	2025-10-13	2025-10-14	2025-10-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	33.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	21.0	21.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	66	63	65	62	66
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	48	47	45	44	52
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	5	2	1	4
पवन दिशा (डिग्री)	360	262	315	154	127
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं				

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पाँच दिनों तक आसमान साफ़ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 32.0-33.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 20.0-21.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर 62-66% और 45-52% के बीच रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व रहेगी और हवा की गति 1.0-7.0 किमी/घंटा रहेगी, हवा की गति सामान्यतः 2-3 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिचाई का कार्य करें तथा परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। विगत सप्ताह हुई वर्षा से भीगी फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ो में धुआँ करें।

सामान्य सलाहकार:

खरीफ में बोई गई परिपक्क फसलों धान, मक्का, तिल आदि की कटाई एवं मड़ाई के लिए मौसम अनुकूल है तथा रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - चना, मटर , मसूर ,सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त बुवाई का कार्य करें। समय से रोपी गई मक्का और धान की 85 % सुनहरे रंग की दिखाई देने पर फसल की कटाई करें।

लघु संदेश सलाहकारः

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ में बोई गई परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा रबी फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाहः

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	जब बालियाँ 80% सुनहरे रंग दिखाई देने लगे तो फसलों की कटाई करें तथा कटाई के पश्चात लॉक को धुप में सुखाकर मड़ाई का कार्य साफ मौसम पर करें। वर्तमान मौसम कीटो के लिए अनुकूल है अतः धान की फसल में फूल आने के बाद औसतन 2-3 गन्धी कीट /हिल दिखाई दे तो इसके निंयत्रण हेतु इमिडाकोलोरोप्रिड 17.8% एस एल की 350 मिली0/हेक्टेयर या बुरफोजिन 25 % एस पी 750 मिली0 / हेक्टेयर की दर से 500 -600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें।
मूँगफ ली	मूँगफली की खुदाई तभी करे जब छिलके के ऊपर की नसें उभर आयें तथा भीतरी भाग कत्थई रंग की हो जाय और मूंग फली का दाना गुलाबी हो जाय। मूँगफली की फसल में सफेद गिडार/ दीमक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फिप्रोनिल 0.3 % जी.आर. 20 किलोग्राम/ हेक्टेयर की दर से बुरकाव करें।
काला चना	विगत सप्ताह हुई वर्षा से भीगी फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। उर्द /मूँग की परिपक्क फसलों की कटाई/मड़ाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।
रेपसी ड	तोरिया फसल की बुवाई के 20-22 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेंटीमीटर कर दे।
सरसों	राई/सरसों की संस्तुति प्रजातियाँ- बरुणा, रोहिणी, नरेंद्र राई- 8501,माया, वैभव आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुआई का कार्य रखें।
चना	चना के फसल की संस्तुति प्रजातियाँ- अवरोधी, पूसा-256, पूसा-362, के डब्लू आर-108, के -850, के डी जी -1168 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए छोटे दानो का बीज 75-80 किलोग्राम व बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुआई का कार्य रखें।
गन्ना	लालसड़न रोग से प्रभावित पौधों को जड़ सहित निकालकर नष्ट कर दें तथा थायोफिनेट मिथाइल 0.2 प्रतिशत के घोल से पौधो पर छिड़काव करें। गन्ने की फसल में बैक्टीरियल रॉट बीमारी के लक्षण दिखने पर संक्रमित पौधे को काटकर नष्ट कर दें तथा इसके नियंत्रण हेतु स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.01 प्रतिशत का छिड़काव मौसम अनुकूल होने पर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाहः

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की बुवाई के लिए खेतो की तैयारी कर बुवाई का कार्य प्रारम्भ करें। आलू के फसल में चेचक रोग से बचाव हेतु कन्दो को 100 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन या बोरिक एसिड को 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज पर छिड़काव करे तथा अंकुरित बीज को उपचारित न करे। बुआई के 7-10 दिन पहले शीत भण्डार से आलू के बीज को बाहर निकालें। शीत भण्डारण में भण्डारित बीज में यदि अंकुर निकल आये तो उनको छाँटकर अलग कर दे।आलू की अगेती किस्म-कुफरी अशोका, कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी जवाहर आदि की बुवाई का कार्य करें।
सब्जी पीईए	सब्जी मटर, सौफ, अजवाइन, चुकन्दर, लहसुन,धनिया, पालक,सोया, मेथी, मूली, गाजर, शलजम एवं पत्तेदार सब्जियों की बुवाई करें। टमाटर, प्याज, मिर्च , फूलगोभी एवं पत्तागोभी की नर्सरी डालें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो फूलगोभी, बैगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेड़ों पर करें। सब्जिओ की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके निंयत्रण हेतु नीम आयल की 1.5 मिली0/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अंतराल पर आसमान साफ होने पर करे।
आम	आम, अमरुद, आँवला, नीबू आदि फलो के पौधों की रोपाई शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें । नए बागो में नष्ट हुए पौधो के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करे। केले/पपीते के बागो की गुड़ाई-करके तने के चारो

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	तरफ 25-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टेंडिंग करे। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम
	हेतु २%कार्बरिल 1.5 % धूल का बुरकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन				
भेंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्भवती भैसों /गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। गर्भवती भैसों /गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें तथा पशुओं को डास मक्खी और मच्छर से बचाव करें। पशुओ को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओ के घाव को पोटैशियम परमैगनेट से धोए। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओ को तालाबों या अन्य जगह के रुके हुए पानी को न पिलाये, इससे पशुओ को लीवर फ्लू व पेट के कीड़े होने की संभावना रहती है। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें।			

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाहः

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करे। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। अंडे के लिए नये चूजें द्वारा मुर्गियों को पालने के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है परंतु ब्रायलर मुर्गियों के लिए यह समय उपयुक्त है। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। पानी का क्लोरीनेशन अवश्य करें।मुर्गियों के पेट में कीड़ों के मारने के लिए (डिवर्मिंग) की दवा दें। मुर्गीखाने को सूखा रखें तथा बिछावन को पलटते रहें। मुर्गीखाने में अधिक नमी हो तो पंखा चलायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, इस सप्ताह मौसम की कोई चेतावनी नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिचाई का कार्य करें तथा परिपक्क फसलों की कटाई/मड़ाई एवं बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। विगत सप्ताह हुई वर्षा से भीगी फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई का कार्य करें। पशुओं को मच्छरों से बचाव हेतु पशु बाड़ो में धुआँ करें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details